



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	19-6-26	02	3-5



Agri varsity, FAO-Bangkok ink pact to promote climate-resilient farming

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JUNE 18

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has signed an agreement with the Food and Agriculture Organisation (FAO) of the United Nations, Bangkok, to promote climate-resilient farming, especially direct seeding of rice (DSR), under Global Environment Facility (GEF-7) Food Systems, Land Use, and Restoration Project.

A university spokesperson said the agreement aims to promote DSR through biological seed-treatment technologies and encourage farmers to adopt climate-smart and sustainable agricultural practices.

The visiting delegation included officials from the FAO Regional Office for Asia and the Pacific in Bangkok and representatives from FAO India. They included Lead Technical Officer Beau Damon, Senior Technical Officer Jitender Jaiswal, Technical Officer Sameer Karki, Agronomist Dr Matthew Champness, National Technical Coordinator Vinay Singh, and FAO Agronomist Dr Ashok Kumar.

HAU Vice-Chancellor Prof



The FAO delegation with HAU officials and VC BR Kamboj in Hisar.

BR Kamboj said DSR technology uses less water, labour, and cost than conventional paddy transplantation. "This will help protect the environment while increasing farmers' income," he said.

Prof Kamboj added that the initiative would be a crucial step toward making agriculture more sustainable and resilient to climate change. "Under the project, farmers will get training, technical guidance, and demonstration programmes to familiarise them with modern and environmentally friendly farming technologies," he said.

Dr Rajesh Gera, Dean of College of Basic Sciences and Humanities and nodal officer of the project, said biological seed treatment improves soil health, boosts beneficial microorganisms, and

enhances crop productivity. The technology will also help maintain ecological balance by reducing chemical use in agriculture, he added.

FAO and HAU will jointly set up demonstration plots in selected areas to motivate farmers to adopt advanced DSR technology. This will promote water conservation, improve land productivity, and support sustainable food systems, the spokesperson said.

HAU Director of Research Dr Rajbir Garg signed the agreement for the university, while Takayuki Hagiwara signed for FAO. A six-member FAO delegation is currently on a two-day visit to the university and held detailed discussions with the Vice-Chancellor on various subjects.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19-6-26	04	1-3

• परंपरागत रोपाई की तुलना में कम पानी, कम श्रम लगेगा एचएयू-एफएओ बैंकॉक में समझौता जलवायु अनुकूल धान को बढ़ावा देंगे

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के बैंकॉक कार्यालय के बीच जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के लिए समझौता हुआ है। पहल का लक्ष्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के जरिए प्रत्यक्ष बिजाई वाले धान को बढ़ावा देना और किसानों को टिकाऊ खेती से जोड़ना है।

प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों में एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकॉक के लीड टेक्नीशियन ऑफिसर एवं उनकी टीम तथा एफएओ इंडिया के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे। इस टीम में बैंकॉक के लीड टेक्नीकल ऑफिसर ब्यू डेमन, सीनियर टेक्नीकल ऑफिसर जितेंद्र जायसवाल, टेक्नीकल ऑफिसर समीर कार्की,



वीसी की मौजूदगी में समझौते पर इन्होंने किए हस्ताक्षर

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा एफएओ की तरफ से टाकायूकी हेगीवारा ने हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में एफएओ का छः सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर आया हुआ है। इस अवसर पर परियोजना की प्रधान अन्वेषक सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीमा सांगवान, ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।

एग्रोनॉमिस्ट डॉ. मैथ्यू चैम्पनेस, नेशनल टेक्नीकल कोर्डिनेटर विनय सिंह व एफएओ एग्रोनॉमिस्ट डॉ. अशोक कुमार शामिल हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि यह तकनीक परंपरागत रोपाई की तुलना में कम पानी, कम श्रम और कम लागत में अपनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि

जैविक बीज उपचार से अंकुरण और शुरुआती बढ़वार सुधरेगी तथा रासायनिक उपचार पर निर्भरता घटेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ किसान की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। नोडल अधिकारी राजेश गेरा ने बताया कि इससे मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होगा और लाभकारी सूक्ष्मजीव सक्रिय होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अग्र 2 उजाला	19-6-26	04	1-5

जलवायु के अनुकूल महकेंगे धान के खेत, एचएयू का बैंकॉक से समझौता जैविक बीज उपचार से प्रत्यक्ष बिजाई वाले धान की फसल को मिलेगा बढ़ावा, किसानों को टिकाऊ कृषि से जोड़ने की पहल

माई सिटी रिपोर्ट

हिसार। जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) बैंकॉक के साथ समझौता किया है। यह समझौता वैश्विक पर्यावरण सुविधा-7 की फूड सिस्टम, लैंड यूज एंड रेस्टोरेशन परियोजना के अंतर्गत किया गया है। इसका उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिजाई वाले धान की फसल को बढ़ावा देना और किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है।

जैविक बीज उपचार से बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होगा। पौधों की



वीसी प्रो. कांबोज के साथ एफएओ प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एवं अधिकारी। श्रेत विधि

प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होगी तथा रासायनिक उपचारों पर निर्भरता कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकॉक के लीड टेक्निकल ऑफिसर व उनकी टीम तथा एफएओ

इंडिया के अधिकारी बैठक में शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल में ब्यू डेमन (लीड टेक्निकल ऑफिसर), जितेंद्र जायसवाल (सीनियर टेक्निकल ऑफिसर), समीर कार्की (टेक्निकल ऑफिसर), डॉ. मैथ्यू चैम्पनेस (एग्रोनॉमिस्ट), विनय सिंह (नेशनल टेक्निकल कोऑर्डिनेटर) और

किसानों को करेंगे जागरूक परियोजना के मॉडल अधिकारी एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि चयनित क्षेत्रों में प्रदर्शन प्लॉट स्थापित किए जाएंगे तथा किसानों को प्रत्यक्ष बिजीत धान की उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इससे जल संरक्षण, भूमि की उत्पादकता में सुधार और टिकाऊ खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. अशोक कुमार (एफएओ एग्रोनॉमिस्ट) शामिल रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने बताया कि प्रत्यक्ष बिजीत धान तकनीक पारंपरिक धान रोपाई की तुलना में कम पानी, कम श्रम और कम लागत में अधिक उपयोगी है। उन्होंने कहा कि जैविक बीज

उपचार से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होगा, लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ेगी तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। यह तकनीक रासायनिक उपयोग को कम कर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होगी।

कुलपति की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और एफएओ की ओर से टाकायूकी हेगीवारा ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय में एफएओ का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौर पर है।

इस अवसर पर परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ. सोमा सांगवान, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	19-6-26	12	3-8

जलवायु अनुकूल प्रत्यक्ष बिजित धान को बढ़ावा देने में समझौते की रहेगी अहम भूमिका

एफएयू व एफएओ, बैंकों के बीच हुआ महत्वपूर्ण समझौता

हरिभूमि न्यूज | हिंसार



हिसार। कुलपति के साथ एफएओ प्रतिनिधि मंडल के सदस्य एवं अधिकारी।

वैश्विक पर्यावरण सुविधा-7 की फूड सिस्टम, लैंड यूज एंड रेस्टोरेशन परियोजना के अंतर्गत जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए यहाँ के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) बैंकों के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिजित धान को बढ़ावा देना तथा किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि

पद्धतियों से जोड़ना है। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों में एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकों के लीड टेक्नीशियन ऑफिसर एवं उनकी टीम तथा एफएओ इंडिया के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे। इस टीम में बैंकों के लीड टेक्नीकल ऑफिसर

ब्यू डेमन, सीनियर टेक्नीकल ऑफिसर जितेंद्र जायसवाल, टेक्नीकल ऑफिसर समीर काकी, एग्रोनॉमिस्ट डॉ. मैथ्यू चैम्पनेस, नेशनल टेक्नीकल कोर्डिनेटर विनय सिंह व एफएओ एग्रोनॉमिस्ट डॉ. अशोक कुमार शामिल हैं।

चयनित क्षेत्रों में प्रदर्शन प्लॉट स्थापित किए जाएंगे

कुलपति प्रो. बीआर कामबोज ने बताया कि प्रत्यक्ष बिजित धान तकनीक परंपरागत धान रोपाईं की तुलना में कम पानी, कम श्रम और कम लागत लेती है। उन्होंने बताया कि जैविक बीज उपचार अपजाने से बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होगा, पौधों को प्रारंभिक चरण बेहतर होंगे तथा रासायनिक उपचारों पर निर्भरता कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। इस परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। एफएओ और हकृवि के संयुक्त प्रयासों से इस परियोजना के तहत चयनित क्षेत्रों में प्रदर्शन प्लॉट स्थापित किए जाएंगे तथा किसानों को प्रत्यक्ष बिजित धान की उच्चत तकनीकों को अपजाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस पहल से जल संरक्षण, भूमि की उत्पादकता में सुधार तथा टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। कुलपति की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व एफएओ की तरफ से टिकाऊ तकनीक के हस्ताक्षर किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	19-6-26	04	06

हरियाणा कृषि विवि और बैंकाक एफएओ के बीच समझौता करार

जासं • हिसार : वैश्विक पर्यावरण
सुविधा-7 की फूड सिस्टम, लैंड
यूज एंड



रेस्टोरेशन
परियोजना के
अंतर्गत
जलवायु-
अनुकूल कृषि
को बढ़ावा
देने की दिशा
में चौधरी
चरण सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने
संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि
संगठन (एफएओ) बैंकाक के साथ
समझौता किया है। इस समझौते का
उद्देश्य जैविक बीज उपचार
तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष
बिजित धान को बढ़ावा देना तथा
किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं
टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है।
प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों में
एफएओ के एशिया एवं प्रशांत
क्षेत्रीय कार्यालय बैंकाक के लीड
टेक्नीशियन आफिसर एवं उनकी
टीम तथा एफएओ इंडिया के
अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज
काम्बोज ने बताया कि जैविक बीज
उपचार अपनाने से बीजों की
अंकुरण क्षमता में सुधार होगा, पौधों
की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होगी तथा
रासायनिक उपचारों पर निर्भरता
कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण
के साथ-साथ किसानों की आय
बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	19-6-26	10	1-3

हकृवि और एफएओ, बैंकॉक के बीच हुआ महत्वपूर्ण समझौता



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ एफएओ प्रतिनिधि मंडल के सदस्य एवं अधिकारीगण

हिसार, 18 जून (विरेंद्र वर्मा): वैश्विक पर्यावरण सुविधा-7 की फूड सिस्टम, लैंड यूज एंड रेस्टोरेशन परियोजना के अंतर्गत जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) बैंकॉक के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिजौत धान को बढ़ावा देना तथा किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों में एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकॉक के लीड टेक्नीशियन ऑफिसर

एवं उनकी टीम तथा एफएओ इंडिया के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे। इस टीम में बैंकॉक के लीड टेक्नीकल ऑफिसर ब्यू डेमन, सीनियर टेक्नीकल ऑफिसर जितेंद्र जायसवाल, टेक्नीकल ऑफिसर समीर कार्की, एग्रोनॉमिस्ट डॉ. मैथ्यू चैम्पनेस, नेशनल टेक्नीकल कॉर्डिनेटर विनय सिंह व एफएओ एग्रोनॉमिस्ट डॉ. अशोक कुमार शामिल हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि प्रत्यक्ष बिजौत धान तकनीक, परंपरागत धान रोपाई की तुलना में कम पानी, कम श्रम और कम लागत लेती है। उन्होंने बताया कि जैविक बीज उपचार अपनाने से बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होगा, पौधों की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होगी तथा रासायनिक उपचारों पर

निर्भरता कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। कुलपति ने बताया कि यह पहल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कृषि क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और लचीला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। उपरोक्त परियोजना के नोडल अधिकारी व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जैविक बीज उपचार से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता में वृद्धि तथा फसल की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही यह तकनीक कृषि में रसायनों के उपयोग को कम कर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगी। एफएओ और हकृवि के संयुक्त प्रयासों से इस परियोजना के तहत चयनित क्षेत्रों में प्रदर्शन प्लॉट स्थापित किए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केशरी	19-6-26	04	5-8

हकृवि और एफ.ए.ओ., बैंकों के बीच हुआ समझौता

हिसार, 18 जून (ब्यूरो): वैश्विक पर्यावरण सुविधा-7 की फूड सिस्टम, लैंडयूज एंड रेस्टोरेशन परियोजना के अंतर्गत जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) बैंकों के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिजौत धान को बढ़ावा देना तथा किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों

से जोड़ना है। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों में एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकों के लीडटेक्नीशियन ऑफिसर एवं उनकी टीम तथा एफएओ इंडिया के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे। कुलपति



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ एफ.ए.ओ. प्रतिनिधि मंडल के सदस्य एवं अधिकारीगण। के अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग तथा एफ.ए.ओ. की तरफ से टाकायूकी हेगीवारा ने हस्ताक्षर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	18.06.2026	----	----

हकृवि व एफएओ बैंकोंक के बीच हुआ एमओयू

जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से किसानों को जलवायु-अनुकूल व टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ा जाएगा

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। वैश्विक पर्यावरण सुविधा-7 की फंडसिस्टम, लीड यूज एंड रेस्टोरेशन परियोजना के अंतर्गत जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) बैंकोंक के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष विजित धान को बढ़ावा देना तथा किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों में एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकोंक के लीड टेक्नीशियन ऑफिसर एवं उनकी टीम तथा एफएओ इंडिया के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे।



कुलपति प्रो. अलदेव राज कश्यप ने बताया कि जैविक बीज उपचार अपनाते से बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होगा, पौधों की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होगी तथा गुणात्मक उपचारों पर निर्भरता कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। कुलपति ने

बताया कि यह पहल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कृषि क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और लचीला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की

जानकारी दी जाएगी। उपरोक्त परियोजना के नोडल अधिकारी व मैरिंक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गैरा ने बताया कि जैविक बीज उपचार से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता में वृद्धि तथा फसल की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

साथ ही यह तकनीक कृषि में रसदयनों के उपयोग को कम कर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगी। एफएओ और हकृवि के संयुक्त प्रयासों से इस परियोजना के तहत चयनित क्षेत्रों में प्रदर्शन प्लॉट स्थापित किए जाएंगे तथा किसानों को प्रत्यक्ष विजित धान की उन्नत तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस पहल से जल संरक्षण, भूमि की उत्पादकता में सुधार तथा टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता जलवायु-स्मार्ट कृषि को प्रोत्साहित करने तथा किसानों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग तथा एफएओ की तरफ से टाकावूकी हेगोवारा ने हस्ताक्षर किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	18.06.2026	----	----

हकृवि और एफएओ बैंकों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण समझौता : जैविक बीज उपचार के माध्यम से जलवायु अनुकूल प्रत्यक्ष बिजौत धान को बढ़ावा देने में समझौते की रहेगी भूमिका

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वैश्विक पर्यावरण सुविधा-7 की फूड सिस्टम, लैंड यूज एंड रेस्टोरेशन परियोजना के अंतर्गत जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त राश के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) बैंकों के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिजौत धान को बढ़ावा देना तथा किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि प्रदर्तियों से जोड़ना है। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों में एफएओ के एशिया एवं प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय बैंकों के लीड टेक्नीशियन अधिकार एवं उनकी टीम तथा एफएओ इंडिया के अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे। इस टीम में बैंकों के लीड टेक्नीकल अधिकार अरु देवन, सोनिया टेक्नीकल अधिकार जितेंद्र जायसवाल, टेक्नीकल अधिकार सपौर कार्की, एगोनॉमिस्ट डॉ. मेषु चैम्पनेस, नेहाल टेक्नीकल कॉर्डिनेटर विनय सिंह व एफएओ एगोनॉमिस्ट डॉ. अशोक कुमार शामिल हैं। कुलपति प्रो. चतुर्वेद राज काम्बोज ने बताया कि प्रत्यक्ष बिजौत धान तकनीक, परंपरागत धान रोपाईं की तुलना में कम पानी, कम इन और कम लागत लेती है। उन्होंने बताया कि जैविक बीज उपचार अपने-से बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होगा, बीजों की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर



होगी तथा रासायनिक उपचारों पर निर्भरता कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ने में भी सहायता मिलेगी। कुलपति ने बताया कि यह पहल जलवायु परिवर्तन को चुनौतियों के बीच कृषि क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और लचीला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। उपरोक्त परियोजना के कोऑल अधिकारी व मौखिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिछात्र डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जैविक बीज उपचार से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता

में वृद्धि तथा फसल की उत्पादकता बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही यह तकनीक कृषि में रासायनों के उपयोग को कम कर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगी। एफएओ और हकृवि के संयुक्त प्रयासों से इस परियोजना के तहत पर्यटित क्षेत्रों में प्रदर्शन फॉरट स्थापित किए जाएंगे तथा किसानों को प्रत्यक्ष बिजौत धान की उच्च तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस पहल से जल संरक्षण, भूमि की उत्पादकता में सुधार तथा टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता जलवायु-स्मार्ट कृषि को प्रोत्साहित करने तथा किसानों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इन अधिकारियों ने किए हस्ताक्षर कुलपति प्रो. चतुर्वेद राज काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग तथा एफएओ की तरफ से टाकापूर्वी हेनरीका ने हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में एफएओ का छः सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय ढीर पर आयत हुआ है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने समझौता ज्ञापन के साथ-साथ कुलपति प्रो. काम्बोज के साथ विभिन्न विषयों पर विस्तार से बातचीत की। इस अवसर पर परियोजना की प्रधान अध्येक सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की एग्जैक्ट प्रोफेसर डॉ. सोमा संजयान, ओएसडी डॉ. अशुल डींगड़ा व मानव संरक्षण प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश पाठय भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	18.06.2026	-----	----

धान को बढ़ावा देने के लिए हकृवि और एफएओ, बैंकाक के बीच हुआ करार



नम-छोर न्यूज 18 जून

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) बैंकाक के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य जैविक बीज उपचार तकनीकों के माध्यम से प्रत्यक्ष बिजित धान को बढ़ावा देना तथा किसानों को जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है। इस टीम में बैंकाक के लीड टेक्नीकल ऑफिसर ब्यू डेमन, सीनियर टेक्नीकल ऑफिसर जितेंद्र जायसवाल, टेक्नीकल ऑफिसर समीर कार्की, एग्रोनॉमिस्ट डॉ. मैथ्यू चैम्पनेस, नेशनल टेक्नीकल कॉर्डिनेटर विनय सिंह व एफएओ एग्रोनॉमिस्ट डॉ. अशोक कुमार शामिल हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि प्रत्यक्ष बिजित धान तकनीक, परंपरागत धान रोपाई की तुलना में कम पानी, कम श्रम और कम लागत लेती है। उन्होंने बताया कि जैविक बीज उपचार अपनाने

से बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होगा, पौधों की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होगी तथा रासायनिक उपचारों पर निर्भरता कम होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। उपरोक्त परियोजना के नोडल अधिकारी व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जैविक बीज उपचार से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता में वृद्धि तथा फसल की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग तथा एफएओ की तरफ से टाकायुकी हेगीवारा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर परियोजना की प्रधान अन्वेषक सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीमा सांगवान, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।